नव भारत जागृति केन्द्र

NBJK
Since 1971

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

Putting the Last First

सूचना पत्र

NEWS LETTER

जनवरी - मार्च 2016 | www.nbjk.org | January-March 2016

कौशल और रोजगार हेतु युवाओं को प्रोत्साहन

ज्यादा दिन नहीं हुए, उत्तर प्रदेश राज्य सचिवालय में चपरासी पद के 368 रिक्तियों हेतु 23 लाख लोगों ने आवेदन दिया था. आवेदकों में 255 अभ्यर्थी पीएचडी थे और 2 लाख से ज्यादा बीटेक, बीएससी, एमकॉम और एमएससी के डिग्रीधारी भी शामिल थे. यह घटना युवाओं के प्रति हमारी सोच और रवैये को दर्शाती है, जो हमारे भविष्य हैं. वर्ष 2012 में लगभग साढ़े चार करोड़ भारतीय युवा बेरोजगार थे और पढ़े-लिखे नौजवानों में बेरोजगारी की दर निरक्षरों से ज्यादा है. प्रत्येक तीन भारतीय स्नातकों में एक बेरोजगार है. झारखण्ड के 42% घरों में बेरोजगारों का बोझ है. ऐसी स्थिति खतरे की चेतावनी है क्योंकि बेरोजगारी का सिर्फ आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि सामाजिक रूप से भी चोरी, हिंसा तथा अन्य आपराधिक घटनाओं में वृद्धि होने लगती है. एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से न. भा. जा. केन्द्र ने हजारीबाग, रामगढ़, रांची, खूंटी, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, जमशेदपुर, दुमका और देवघर में युवाओं के बीच स्थायी आजीविका कार्यक्रम अंतर्गत कौशल विकास प्रोत्साहन के उद्देश्य से रोजगार प्रशिक्षण केंद्रों को जारी रखा और खोला है. रो. प्र. केंद्रों द्वारा कंप्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, सेलफोन मरम्मत, बेडसाइड पेशेंट अटेंडेंट, ब्यूटिशियन, ड्राइविंग, कृषि, इलेक्ट्रीशियन, कॉल सेन्टर, टेलरिंग आदि विभिन्न ट्रेड्स में छोटी अवधि के व्यावहारिक कोर्स करवाए जाते हैं. ये प्रशिक्षण केंद्र सिर्फ तीन माह की अवधि वाले इन रोजगारपरक पाठ्क्रमों में नामांकन हेतु युवाओं को प्रोत्साहित करते हैं और इन्होंने बड़ी संख्या में ऐसे लड़के-लड़कियों को आकर्षित किया है, जो स्वयं अथवा परिवार को सहयोग करने की इच्छा रखते हैं. इनमें अधिकांश ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं और बड़ी संख्या में बच्चियों-महिलाओं ने भी रो. प्र. केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

स्थायी आजीविका कार्यक्रम में प्रत्येक रोजगार प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षकों और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है. शुरू में इस कार्यक्रम के तहत पाठ्क्रम, अध्ययन सामग्री, दस्तावेजों और प्रक्रिया के मानकीकरण द्वारा उन्हें सरल और व्यावहारिक बनाया गया था. रो. प्र. केंद्रकर्मियों को रिफ्रेशर प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, समय-संसाधन प्रबंधन, निर्णय प्रक्रिया, गतिरोध समाधान, संवाद, मानवीय मूल्य और **स्वोट** विश्लेषण से परिचित कराया गया, जिनका उपयोग वे अपने केन्द्रों पर प्रशिक्षुओं को बेहतर बनाने में करते हैं. ये रो. प्र. केन्द्र अपने यहाँ युवाओं हेतु सॉफ्ट स्किल कक्षाओं का आयोजन करते हैं और पिस्का मोड़ (रांची) स्थित केंद्र ने योग कक्षाओं की शुरूआत कर प्रशिक्षुओं को फिट रखने का प्रयास भी किया है.

इस कार्यक्रम द्वारा युवाओं के नियोजन और स्वरोजगार की पहल होती है. 20 फरवरी को रांची में एक रोजगार मेला का आयोजन किया गया था, जिसमें रो. प्र. केन्द्रों द्वारा प्रशिक्षित लगभग 150 नौजवान लड़के-लड़कियां शामिल हुए. इस मेला में योग्य उम्मीदवारों को चुनने के लिए अन्नपूर्णा फाइनेंस, आरोहन फाइनेंस, डिजीकॉल, वीडियोकॉन, एक्सेल डाटा सर्विसेज, आकाश इंटरप्राइजेज, एक्सेल इंटरनेशनल, ए एन आइ कॉम, एजिस, यूरेका फोर्ब्स, ब्रेड एंड बटर आदि 22 नियोक्ताओं के प्रतिनिधिगण मौजूद थे और इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों के लिए 100 से अधिक युवाओं का चयन हुआ है. 14 मार्च को रो. प्र. केन्द्र, जमशेदपुर की ओर से भी एक ऐसा आयोजन किया गया था, जिसमें 20 नियोक्ताओं ने 102 प्रशिक्षुओं को काम देने की पेशकश किया है. स्थायी आजीविका कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा अक्टूबर'14 से फरवरी'16 की अवधि में अपने 61% प्रशिक्षुओं को नियोजित करने में सफलता मिली है. इन्होंने 5734 युवाओं को विभिन्न रोजगारमूलक कौशलों का प्रशिक्षण दिया है, जिनमें 2076 का नियोजन हो चुका है और प्रशिक्षण प्राप्त 1431 युवाओं ने स्वरोजगार से जुड़ना ज्यादा उचित समझा.

Promoting Youths to be Skilled and Employed

Recently 23 lakh people applied for 368 posts of peon in the state secretariat of Uttar Pradesh. Among the applicants, 255 candidates with a PhD degree and more than two lakh hold BTech, BSc, MCom & MSc degrees. This episode reflects our mindset and dealing with the youths, our future. 44.79 million Indian youths were unemployed in 2012 and the rate was higher among educated youths than their illiterate counterparts. One out of every three graduates is unemployed in India. In Jharkhand, about 42% households are with unemployed persons. The situation is alarming as unemployment not only has financial impact but also has many social impacts like increase in cases of theft, violence and other criminal activities. With support of Axis Bank Foundation, Mumbai, NBJK has continued and opened Rojgar Training Centers (RTCs) at Hazaribag, Ramgarh, Ranchi (2 centers), Khunti, Koderma, Giridih, Dhanbad, Jamshedpur, Dumka and Deoghar for skill development training to youths under the Program of Sustainable Livelihood or PSL. RTCs offer short term and practical courses in the trades like computer software/ hardware, cell phone servicing, bedside patient attendant, beautician, driving, agriculture, electrician, call center, tailoring etc. These centers pick up youngsters by mobilizing them for such job oriented courses of only three months duration and attracted a large number of youths feel responsible to support themselves or their families. Most of them are from rural background and a considerable number of women & girls have attained RTCs. The PSL believes in quality training and put effort for team up gradation at each RTC. Initially the program team has focused upon standardization of curriculum, study material, documents and process to make those simple and practical. The center personnel went through refresher training and have been provided ToT on personality development, time & resource management, decision making, conflict management, communication, humane values and SWOT analysis. They demonstrate these skills before students at their centers. Also RTCs have introduced soft skill classes for youth trainees and the center at Piska More (Ranchi) has started Yoga classes for youths to keep them fit. The program initiates for placement and self employment of the trainees. On 20th February, a Rojgar Mela (Placement Fair) was organized at Ranchi. Around 150 youths trained at RTCs have joined the event represented with HR people of 22 employers like Annapurna Finance, Arohan Finance, DigiCall, Videocon, Excel Data Services, Akash Enterprises, Excel International, ANI Com, Eureka Forbes, Bread & Butter etc. to select eligible candidates and more than 100 youths have been shortlisted for different positions by the companies. On 14 March, RTC Jamshedpur has organized the same event with support of 20 employer companies and 102 trainees have been shortlisted for jobs. During the period of Oct'14 to Feb'16, these RTCs could be able to secure placement for 61% pass outs together under the PSL and contributed various job oriented skills to 5734 youths; ensured placement for 2076 and 1431 pass outs are self-employed.

न. भा. जा. केंद्र ने मनाया 67वां गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, हजारीबाग: न. भा. जा. केंद्र द्वारा अपने कार्यालयों में देश का 67वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया. इसकी शुरूआत श्री गिरिजा सतीश, अध्यक्ष द्वारा अमृतनगर (हजारीबाग) स्थित संयोजन कार्यालय परिसर में झंडोत्तोलन से हुई. अपने संबोधन में आपने शहीदों-स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए संविधान प्रदत्त समानता व अन्य मूल नागरिक अधिकारों की चर्चा किया और कहा कि लोकतंत्र में मतदाताओं की जागरूकता से विभाजनकारी शक्तियों को शिकस्त दी जा सकती है. श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न. भा. जा. केन्द्र) ने सबों को शुभकामना देते हुए इस दिन को अवसर बताया कि हम सह-विकास के लिए एक राष्ट्र की तरह सोचें. आपने कहा कि सामाजिक बदलाव की एक व्यापक दृष्टि के साथ न. भा. जा. केंद्र स्थापित हुआ था और वैसे परिवर्तन के लिए आवश्यक लोक सशक्तिकरण हेतु यह प्रतिबद्ध है. श्री अभय कुमार (कार्यकर्ता, रामगढ़ शाखा) ने जाति-सम्प्रदाय आधारित सामाजिक दूरी को एक ठहरी हुई सोच का परिणाम माना. कार्यक्रम के दौरान कौमी झंडे के नीचे देशभक्ति संबंधी नारों से माहौल उत्साहपूर्ण था.

NBJK Celebrated 67th Republic Day

26 January, Hazaribag: Nav Bharat Jagriti Kendra has celebrated 67th Republic Day of the nation at its offices with full enthusiasm. This began with national flag hoisting ceremony by Mr. Girija Satish (President, NBJK) at the coordination office. In a brief address, he saluted all freedom fighters of the nation and referred to equality as well as other fundamental rights of citizens granted by our constitution. He praised Indian democracy and appealed people to prefer development as a mechanism to counter growing differences. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has greeted all and called the day an opportunity to think as a nation to grow together. NBJK was founded with a broad vision of social transformation and committed to people's empowerment as the tool for such change, he opined. Mr. Abhay Kumar (staff member, Ramgarh) has mentioned about social gaps in the name of caste and religion due to an inert mindset. The function was charged with the slogans for great leaders voiced by all before the flag.

महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण और मशीनें

8 फरवरी, हजारीबाग: उषा इंटरनेशनल लि. के सहयोग से संचालित उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम अंतर्गत कोडरमा और हजारीबाग जिलों के चंदवारा और चुरचू प्रखंडों की 20 ग्रामीण महिलाओं हेतु एक सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था. इस अवधि में उन्हें उषा कम्पनी के मास्टर ट्रेनरों द्वारा सिलाई मशीन की कार्यप्रणाली, रखरखाव और मरम्मत के अलावा कपड़ा कटाई-सिलाई सम्बन्धी विशेष जानकारियों से अवगत कराया गया. 16-22 फरवरी के दौरान जिला के जरमुंडी, काठीकुंड, रानेश्वर, शिकारीपारा प्रखंडों और पाकुड़ जिला के महेशपुर प्रखंड की 18 महिलाओं के लिए भी उक्त कार्यक्रम के सौजन्य से वैसा ही प्रशिक्षण आयोजित किया गया था. सभी प्रशिक्षित महिलाओं को सिलाई मशीनें मिली हैं और वो अपने यहाँ उषा सिलाई स्कूल खोल कर पास-पड़ोस की बच्चियों-महिलाओं को सिलाई सिखलाने का काम करेंगी. उषा प्रशिक्षण टीम में श्रीमती संगीता जायसवाल के साथ सर्वश्री रीतेश लोहानी (कार्यक्रम पदाधिकारी), महेन्द्र और कमल शामिल थे. बिहार- झारखण्ड में उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम के तहत न. भा. जा. केन्द्र द्वारा प्रोत्साहित महिलाएं 1941 सिलाई स्कूलों का संचालन कर रही हैं और इन्होंने 10 हजार से अधिक किशोरियों या महिलाओं को सिलाई कार्य में दक्ष बनाया है.

Tailoring Training and Sewing Machines to Women

8 February, Hazaribag: A week long residential training was organized for 20 rural women from Chandwara (Dist-Koderma) and Churchu (Dist-Hazaribag) blocks under Usha Silai School program with support of Usha International Ltd. They got an opportunity to know sewing machine maintenance, repair and had a refresher outlook for tailoring job with help of master trainers from Usha Company. During 16-22 February, training and machine distribution took place for 18 women from Jarmundi, Kathikund, Raneshwar, Shikaripara (Dumka) and Maheshpur (Pakur) blocks at Dumka. All the trained women have got sewing machines and they will open Usha Silai Schools at their villages to provide paid tailoring training for neighborhood girls/women. Usha trainers' team was comprised by Mr. Ritesh Lohani, Mrs. Sangeeta Jaiswal, Mr. Mahendra and Mr. Kamal. There are 1941 Usha Silai Schools functional in Jharkhand and Bihar under the program by NBJK with Usha International Ltd and these schools have produced more than 10 thousand skilled girls and women for tailoring job.

सम्मानित हुए सामाजिक कार्यकर्ता

9 फरवरी, बोधगया: लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन परिसर में गया जिला स्वैच्छिक मंच की सदस्य संस्था लोक शक्ति शिक्षण केंद्र, परैया (गया) के संस्थापक श्री रामस्वरूप भाई को इनके ब्रिटिश मित्रों द्वारा सम्मानित किया गया. इस अवसर पर श्री आइवन नटब्राउन (महात्मा गाँधी के अनुयायी) ने इन्हें शुभकामनाओं, संस्मरणों और प्रशस्ति पत्रों का एक संग्रह सौंपा, जो मित्रों द्वारा उनके लिए भेजे गए थे. श्री आइवन ने रामस्वरूप भाई के साथ अपनी 50 वर्ष पुरानी दोस्ती को याद करते हुए इन्हें सामाजिक मुद्दों के लिए एक समर्पित व्यक्तित्व बताया, जिसके हृदय में उपेक्षितों के लिए प्रेम है. श्रीमती मैरी होम्स, सूसन होल्डेन, जेनी, युआन, साइमन, नाइजेल, जिम जैसे दूसरे मित्रों ने भी आइवन जी के मार्फत इन्हें शुभकामनाएँ और समर्थन भेजा था. सम्मान समारोह में उपस्थित श्रीमती कैथलीन सिडल और श्री टोनी मोटलोक ने श्री रामस्वरूप भाई की अनगढ़ स्वाभाविकता को सामाजिक कार्यों के लिए एक मिसाल कहा. श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न. भा. जा. केंद्र) ने रामस्वरूप भाई के शुरूआती संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए इनसे जुड़े अनुभवों को साझा किया और इन्हें एक प्रेरक इन्सान माना. विदित हो कि लोक शक्ति शिक्षण केंद्र के कार्यक्रमों में न. भा. जा. केंद्र का हमेशा सहयोग रहा है. कार्यक्रम में सर्वश्री द्वारको सुन्दरानी, के. एन. गिरि, रामपदारथ जी, शिवजतन भाई, बालेश्वर जी, राजेन्द्र मांझी और श्रीमती पुतुल कुमारी समेत अनेक समाजसेवी उपस्थित थे.

Social Worker Honoured

9 February, Bodhgaya: A seasoned social worker Mr. Ramswarup Bhai who hails from Paraiya, Gaya and heads Lok Shakti Shikshan Kendra, a VO there, was honoured by his friends from United Kingdom in a simple ceremony held at Lord Buddha Home for Children, Bodhgaya. Mr. Ivan Nutbrown (a follower of Mahatma Gandhi) has presented the bunch of citations on behalf of others also to Ramswarup Bhai as a compiled and framed collection of memoirs around him. Mr. Nutbrown remembered his 50 years old friendship with Ramswarup Bhai and called him a person committed to social cause and with love to downtroddens. Other friends like Mary Holmes, Susan Holden, Yuan, Simon, Louise, Nigel, Jim, Jennie too have sent him their good wishes and expressed solidarity with this simple old man supported by NBJK too for his effort. Mr. Tony Mortlock and Ms Kathleen Siddle have attended the program and expressed their experiences with a person opts low profile willingly. Mr Girija Satish (President, NBJK) has thrown light over the early struggle of Ramswarup Bhai and found him an inspiring personality forever. The program has attracted a number of social figures of the area like Mr. Dwarko Sundrani, Mr. K. N. Giri, Rampadarath Jee, Shivjatan Bhai, Baleshwar Jee, Putul Kumari, Upendra Singh, Rajendra Manjhi and many more.

कोमल पूजन स्कूल का शुभारम्भ

5 जनवरी, बोधगया: श्रीमती कोमल और श्री पूजन ने बोधगया के निकट सिलौंजा गांव स्थित लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन (अनाथालय) परिसर में न. भा. जा. केंद्र द्वारा शुरू किये गए कोमल पूजन स्कूल का उद्घाटन किया. इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक कुमार सर्वजीत, श्रीमती ज्योति मांझी (पूर्व विधायक) और सर्वश्री द्वारको सुन्दरानी, के. एन. गिरि, रघुनाथ चौधरी (पं. स. सदस्य) समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल थे. कुमार सर्वजीत ने इस विद्यालय की स्थापना को दृष्टिवान सक्षम व्यक्तियों द्वारा गरीब लोगों की सहायता का एक सुन्दर प्रयास बतलाया. उद्घाटन समारोह के बाद आयोजित "बच्चों के लिए स्तरीय शिक्षा" विषय पर आधारित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, न. भा. जा. केंद्र) ने ऐसी शिक्षा के लिए जरूरी खर्च को एक महत्वपूर्ण कारक माना, जो अक्सर कमजोर वर्ग के माता-पिता की पहुँच से बाहर होता है. इन्होंने आश्वस्त किया कि आगामी शैक्षणिक सत्र में कोमल पूजन स्कूल द्वारा बच्चों के लिए नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाया जाएगा. श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि अभी लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन 68 अनाथ बच्चों की अच्छी शिक्षा और तमाम जरूरतों की पूर्ति का एक माध्यम बना है और भविष्य में अधिक कक्षाओं के साथ कोमल पूजन स्कूल भी अपनी आवश्यकता सिद्ध करेगा.

Opening of Komal Poojan School at LBHC

5 January, Bodhgaya: Mrs. Komal and Mr. Poojan have inaugurated Komal Poojan School by NBJK at Lord Buddha Home for Children, Silaunja (Bodhgaya) in presence of local MLA Mr. Kumar Sarvjeet and eminent citizens like Mr. Dwarko Sundarani, Mr. K. N. Giri, Mrs. Jyoti Manjhi (Ex-MLA), Mr. Raghunath Choudhary (Panchayat Samiti Member) and others. Mr. Sarvjeet has welcomed the initiative as a hand holding support for poor people from capable persons with a vision. The inaugural function was followed by a symposium over "Quality Education for Children" and Mr. Girija Satish (President, NBJK) has pointed out the cost factor for such education, very often beyond reach of parents from lower strata. He assured that Komal Poojan School will provide cost effective quality education to the children from Nursery to class V from incoming session. Currently LBHC caters 68 orphan-poor children with facilities for their education including all others needed for them and Komal Poojan School will prove it's worth in future with full range of classes, he added.

बधिरान्ध बच्चों की पिकनिक

18 फरवरी, हजारीबाग: बधिरान्धता-बहुसंवेदी दुर्बलताओं से पीड़ित 30 बच्चों ने स्थानीय स्वर्णजयन्ती पार्क में अपने अभिभावकों और देखभालकर्ताओं के साथ पिकनिक का आनन्द उठाया. सेन्स इंडिया, अहमदाबाद के सहयोग से संचालित बधिरान्ध बच्चों की सेवा सम्बन्धी कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण गतिविधि में हजारीबाग और रामगढ़ जिलों के बच्चे शामिल थे. मौका पर प्लान इंडिया के सहयोग से मिले नए जूतों का उपयोगी सौगात इनकी खुशी को बढ़ाने वाला साबित हुआ. सभी बच्चों ने सुखद वातावरण में खिलौना ट्रेन, झूलों और स्लाइड्स पर मस्ती करते हुए अनेक सामूहिक खेलों और चित्रकारी में हिस्सा लिया. फिलहाल संस्था द्वारा हजारीबाग, रामगढ़ और रांची जिले के तीन प्रखंडों में 90 बधिरान्धता बहुसंवेदी बाधाग्रस्त बच्चों को क्रियात्मक / चिकित्सीय मूल्यांकन, फिजियोथेरेपी, संज्ञानात्मक योग्यता, संकेत भाषा, अभिभावक प्रशिक्षण जैसी विशेष सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं.

Outing for Deafblind Children

18 February, Hazaribag: 30 children suffering from deafblindness and multi sensory impairments have enjoyed an outing at Swarnjayanti Park and cafeteria inside with their parents or carers. The picnic was organized under Services to Deafblind Children program with support of Sense India, Ahmedabad for such children of Hazaribag and Ramgarh districts. They were provided shoes on the occasion by Plan India and became happy to get the gift. All the children have shared glad moments together as playing games, making drawings and celebrating their arrival at slides, swings or with wonderful toy train in a caring milieu. NBJK works with 90 deafblind and MSI children in 3 blocks of Hazaribag, Ramgarh and Ranchi districts. They get services like functional/ clinical assessment, home/center based services for cognition, motor/ language/communication development, physiotherapy, parents/carers training and many more.

देखभालकर्ता समूहों हेतु क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण

26-29 फरवरी, हजारीबाग: दिव्यांग, मानसिक-मिरगी रोगी, लाचार, वृद्धजन देखभालकर्ताओं के साथ काम करने वाली संस्थाएं न.भा.जा.केन्द्र, सेक्रेड (कुर्नूल, आंध्रप्रदेश) और समूह सामर्थ्य (कोप्पल, कर्नाटक) ने केयरर्स वर्ल्डवाइड और कॉमनवेल्थ फाउंडेशन, यू.के. के सौजन्य से आयोजित समूह प्रक्रिया कौशल प्रशिक्षण पूरा किया. इन संस्थाओं ने अपने परिवार के लाचार सदस्यों की देखरेख करने वालों के सशक्तिकरण का प्रयास किया है. डा. अनिल पाटिल (मुख्य कार्यकारी, केयरर्स वर्ल्डवाइड) प्रशिक्षण की शुरूआत करते हुए समूह गतिकी व प्रक्रिया, अन्तर्समूह विरोध शमन, समूह कार्य मनोवृत्ति, नेतृत्व कौशल और देखभालकर्ता समूहों के हित में जनवकालत की संक्षिप्त जानकारी दिया. श्री रामकृष्ण सरदेव (सांगठनिक विकास प्रशिक्षक) ने कार्यक्रम परिचय के दौरान देखभालकर्ताओं को परिवर्तन दूत बताया, जिनकी वजह से हमारा परिवार-समाज अधिक मानवीय है और जिनके काम को महत्व मिलना ही चाहिए. श्री मनोज पुत्तूर (कार्यक्रम पदाधिकारी, केयरर्स वर्ल्डवाइड) ने इन छिपे हुए मूक सेवकों की प्रशंसा किया और सेक्रेड (आंध्रप्रदेश) द्वारा संचालित सामुदायिक देखभाल केन्द्रों को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना.

Carer Groups under Capacity Building Training

Hazaribag, 26–29 February: NBJK, Sacred (Kurnool, Andhra Pradesh) and Samuha Samarthya (Koppal, Karnataka), the organizations working with Carer groups have joined hands under auspices of Carers Worldwide and Commonwealth Foundation, UK to participate in the training on Group Process to Empower Carers. These VOs have promoted the people who care for their family members eclipsed by physical, mental or geriatric challenges by organizing them in groups for their empowerment. Dr. Anil Patil (CEO, Carers Worldwide) has inaugurated the training and briefed about group dynamics & process, counter mechanism for inter-group conflict, attitude for group work, skills for leadership and advocacy. These carers are like Change Agents to make our family or society more humane and deserve a lot of importance, pointed out Mr. Ramakrishna Surdeo (Org. Dev. Trainer) while introducing the program. Mr. Manoj Puttur (Program Officer, Carers worldwide India) has praised these silent and hidden people for caring of their dependents and referred to Community Caring Centers by Sacred, Andhra Pradesh.

दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

10 मार्च, दुमका: सीबीएम-ऑसएड समर्थित समेकित स. आ. पुनर्वास-नेत्र सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत दिव्यांगों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण किया गया. वितरण समारोह का उद्घाटन दुमका शहर स्थानीय निकाय की अध्यक्षा श्रीमती अमिता रक्षित ने किया. इन्होंने संस्था द्वारा दिव्यांगों को मुख्य धारा में लाने संबंधी प्रयासों और उनके पुनर्वास के उपायों पर खुशी जाहिर किया. न.भा.जा. केंद्र के मंत्री श्री सतीश गिरिजा ने दिव्यांगों और उनके देखभालकर्ताओं से उन सुविधाओं का लाभ लेने की अपील किया, जिनका हक उन्हें कानून भी देता है. बांटे गए सहायक उपकरणों में 25 व्हीलचेयर, 20 स्टिक, 15 वाकिंग स्टिक, 5 बैसाखी, 4 ब्रेल मशीन और 12 श्रवण यन्त्र शामिल थे. श्री मयंक भूषण (प्रबन्धक, न. भा. जा. केन्द्र-दुमका) ने कार्यों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए भावी योजनाओं से परिचित कराया. इस अवसर पर दिग्घी (दुमका) के वनफूल स्वमदद समूह को बेहतर प्रबंधन हेतु और एक विशेष बच्चा फरहान अख्तर के अभिभावकों को उसकी बेहतर देखभाल करने के लिए पुरस्कृत भी किया गया.

Appliances to PWDs

10 March, Dumka: NBJK has distributed aids & appliances to challenged people under the program of Integrated CBR and Eye Care services with support of CBM-Ausaid. The event was inaugurated by Mrs. Amita Rakshit, Chairperson of the Dumka Town local body. She appreciated the organization for mainstreaming People with Disabilities (PWDs) and rehabilitation measures for them. On this occasion, Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has appealed PWDs including their carers to have entitlements with their strong presence. There were 25 wheel chairs, 20 sticks, 15 walking sticks, 5 crutches, 4 Braille machines and 12 hearing aids distributed among PWDs in the camp. Mr. Mayank Bhushan (Manager, NBJK Dumka) has presented a review of the works accomplished by NBJK and informed about the future plans. The program has honoured Vanfool SHG of Digghee (Dumka) for best management and parents of a special child Farhan Akhtar for best care taking.

बाल अधिकार संरक्षण पर कार्यशाला

11 मार्च, चौपारण: सी. आइ. एफ. कोलकाता और केन्द्रीय म.बा.वि. मंत्रालय, के सहयोग से संचालित चाइल्डलाइन 1098 कार्यक्रम अंतर्गत न. भा. जा. केंद्र द्वारा चौपारण प्रखंड में चलाए जा रहे चाइल्डलाइन उपकेन्द्र की ओर से "बाल अधिकार संरक्षण" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. अपने उद्घाटन भाषण में संस्था के कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा ने बच्चों की सुरक्षा और बाल अधिकारों पर प्रकाश डाला. चाइल्डलाइन 1098 के जिला समन्वयक श्री संजय कुमार ने चाइल्डलाइन कार्यप्रणाली पर चर्चा करते हुए टोल फ्री नंबर 1098 के महत्व से परिचित कराया, जिसपर कॉल करने से भूले-भटके, शोषित, अकेला, बीमार बच्चों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जा सकती है, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्री संजय प्रसाद ने उन परिस्थितियों का जिक्र किया, जिनमें बच्चों को सुरक्षा की आवश्यकता पड़ती है. जिला परिषद सदस्य श्री संतोष रविदास ने बच्चों के हक पर स्वरचित कविता सुनायी और अपनी शिक्षा हेतु न. भा. जा. केंद्र के प्रति आभार प्रकट किया. श्री चंद्रप्रकाश (सिटी कोऑर्डिनेटर, चाइल्डलाइन) ने चाइल्डलाइन गतिविधियों की जानकारी देते हुए लोगों से इस कार्यक्रम में सहयोग देने की अपील किया. श्रीमती रजनी किरण (अध्यक्षा, जिला बाल कल्याण समिति) ने बच्चों के लिए मौजूद प्रशासनिक और कानूनी मदद व्यवस्था की जानकारी देते हुए सामाजिक संवेदनशीलता पर बल दिया. रीना देवी (जिला पार्षद) ने बच्चों के अधिकार संरक्षण को सराहा.

Workshop on Child Rights

11 March, Chouparan: NBJK run Childline sub-centre at Chouparan block (District-Hazaribag) has organized a workshop on protection of child rights. The program was supported by CIF, Kolkata and the Union Ministry of Women and Child Development, New Delhi. During inaugural ceremony, Mr. Prabhunath Sharma (Treasurer, NBJK) has focused upon safety of children and their rights. Mr. Sanjay Kumar (DC Childline) has described about the procedure of Childline with a toll free number 1098 for security initiative around children absconding, exploited, sick or left homes. Mr. Sanjay Prasad (DCPO) has talked about circumstances when a child needs security. Mr. Santosh Ravidas (Member, District Council) has recited a poem on children and thanked NBJK for educational support he got as a child years ago. Mr. Chandra Prakash (CC, Childline) has elaborated about Childline activities and people's support. Mrs. Rajni Kiran (Chairperson, District Child Welfare Committee) explained about administrative-cum-legal safeguards for child and called for shared efforts. Mrs. Rina Devi (Member, District Council) has welcomed the move to protect children and valued their hidden talent. The workshop was contributed by a number of PRI representatives, government officials and vigilant citizens.

जूही बनी कमाऊ पूत

केस स्टडी
CASE STUDY

Juhi Has a Job

दुमका जिला के रानेश्वर प्रखंड में सिमलजोर गांव की जूही हांसदा (20 वर्ष) के पिता स्व. ज्योतिन हांसदा एक छोटे किसान थे. उनके देहान्त के बाद परिवार का सारा बोझ जूही की माँ पर आ गया था. गरीबी झेल चुकी यह लड़की जब बड़ी हुई तो इसने अपनी माँ को मदद करने का निर्णय लिया. इसके लिए जूही ने नौकरी की तलाश शुरू किया, लेकिन उसे निराशा हाथ लगी. एक दिन जूही के एक निकट मित्र ने इसे दुमका शहर में चल रहे रोजगार प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी दिया, जहाँ छोटी अवधि के किसी कोर्स को पूरा करने के बाद काम दिलाने में भी मदद की जाती है. यह सलाह जंची और जूही ने वहाँ बेड साइड पेशेंट अटेंडेंट (बीएसपीए) पाठ्क्रम पसंद किया. *"वहाँ प्रैक्टिकल करके सीखना है, जिसकी जरूरत पड़ती है"*, जूही कहती है. रो.प्र.केन्द्र में इसे बीएसपीए कोर्स के साथ कंप्यूटर संबंधी बुनियादी जानकारी लेने का मौका भी मिला. तीन माह के पाठ्क्रम को पूरा करने के बाद जूही के सामने रो.प्र.केन्द्र प्लेसमेंट सेल के माध्यम से अनेक कार्यप्रस्ताव आए और अंत में इसने माइक्रोमैक्स केयर, दुमका में ही कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करना पसंद किया. यहाँ जूही को प्रति माह 2,500 रू. मिलते हैं और वह अपनी माँ की आर्थिक सहायता कर पाती है.

Juhi Hansda (20) belongs to the village Simaljor in Raneshwar block of Dumka district. Her father late Jyotin Hansda was a small farmer. Since he passed away earlier, Juhi's mother has cared the family despite hardship. Juhi wanted to support her mother and she was in search of any job. She tried but couldn't succeed. One day a friend has suggested her to join Rojgar Training Centre (RTC) at Dumka. Juhi did so and was enrolled for the course of BSPA (Bed Side Patient Attendant) at RTC. *There I got much knowledge and application required in the field*, Juhi says. RTC has provided her the scope to learn basic computer skills besides and made Juhi more competent. After finishing this 3 months course, Juhi was offered some jobs with support of RTC placement cell and finally she opted for MicroMax Care at Dumka where she works as a computer operator. Juhi gets a salary of Rs. 2500 per month and supports her mother.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : विनय भट्ट
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम : अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाष : 06546 - 263332, +91 9835751159
ई-मेल : nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

To,

केवल निजी वितरण हेतु

979/16 • www.kailashpaper.org • 92631 80313 / 14 / 15